

- (c. of कृष्). II. To palliate, to degrade : q.v. : लघयति (nomi.).
- EXTENUATION : लघूकरणम् : v. Palliation, mitigation.
- EXTERIOR (adj.) : बहिः in comp. : v. External, outer.
- EXTERIOR (subs.) : (1) बहिर् (ind.), like (your) e. : बहिरिव, Gi. viii. 7 ; charming only in the e. : बहिरेव मनोहराः, H. ; (2) बहिर्भागः.
- EXTIRPATE : उच्छिनक्ति (छिद्, c. 7.) : v. To extirpate, eradicate.
- EXTIRPATION : उच्छेदः, सम्- : v. Extirpation, eradication.
- EXTIRPATOR : (1) उच्छेदक (f. दिका), सम्- ; (2) उन्मूलयितृ (f. त्री) सम्- ; (3) उद्धृतृ (f. त्री), सम्- ; (4) विच्छ्वंसिन् (f. नी) ; (5) अन्तर्कृत् (mfn.).
- EXTERNAL (adj.) : (1) बहिः (in comp.), removing e. and internal dirt : बहिरन्तर्मलमुष् (mfn.), An. ; (2) बाह्यः (ह्य, ह), e. objects : बाह्यविषयाः S.p.b.
- EXTERNALLY : (1) बहिः, e. sweet, but internally disagreeable : मधुरं बहिरन्तरप्रियम्, Si. ; not only internally but also e. : न केवलमन्तर्बहिरपि, K. ; (2) बाह्यतः (rare).
- EXTINCT (adj.) : I. At an end : (1) उच्छिन्नः (त्रा, त्र) ; (2) संस्थितः (ता, तं), to be e. : संस्थां प्राप्नोति, V.p. : v. Also end. II. Extinguished : (1) शान्तः (ता, तं) ; (2) निर्वातः (ता, तं).
- EXTINCTION : I. Putting out : निर्वाणम्. II. Destruction : q.v. : उच्छेदः, e. of Kshatriyas : क्षत्रियोच्छेदः, VI. iv.
- EXTINGUISH : I. To put out : q.v. : निर्वापयति (c. of वा), I will e. the fire of bereavement by quitting life : देहमुत्सृज्य विरहाग्निं निर्वापयामि, Va. II. To destroy : q.v. : उच्छिनक्ति (छिद्, c. 7.).
- EXTINGUISHED, BE : I. To go out : q.v. : निर्वाति (वा, c. 2.), these fires are not yet e. : निर्वात्य-वापि नैते हव्यवाहाः, Mu. II. To be destroyed : q.v. : expr. by उच्छिन्नः (त्रा, त्र).
- EXTINGUISHABLE : I. Of lights : निर्वाप्य (f. प्या). II. Fig. : उच्छेद्य (f. द्या).
- EXTINGUISHER : of a lamp : *दीपनिर्वापकः.
- EXTINGUISHMENT : v. Extinction.
- EXTIRPATE : (1) उन्मूलयति, सम्- (मूल, c. 10.), and all the Nandas have been e.d : नन्दाश्चोन्मूलिताः सर्वे, Mu. ; (2) उच्छिनक्ति, सम्-, (छिद्, c. 7.), to e. enemies : रिपूनुच्छिनक्ति, R. ; (3) उत्सादयति (c. of सद्), e. ing thorns : उत्सादयन् कण्टकान्, K.
- EXTIRPATION : (1) उन्मूलनम् ; (2) उच्छेदः, सम्- ; (3) उत्सादनम्.
- EXTOL (v.) : I. To raise up : उन्नमयति (c. of नम्). II. To praise : q.v. : कीर्तयति (कृत्, c. 10.), especially to those who e.d the excellencies of Damayanti : विशिष्य भैमीयुगकीर्तनकृतान्, N.
- EXTORT (v.t.) : निष्कर्षति (कृष्, c. 1.), to e. a confession : *प्रतिपत्तिं निष्कर्षति ; to e. money : अर्थं निष्कर्षति, R.
- EXTORTION : निष्कर्षः, -णम् e. of money : *अर्थनिष्कर्षः.
- EXTORTER, EXTORTIONER : निष्कर्षक (f. षिका) (?).
- EXTRA : I. Adj. : अतिरिक्तः (क्ता, क्त). II. Subs. : अतिरिक्तम्. III. Prep. : v. Beyond, exceeding.
- EXTRACT (v.) : (1) निर्-कर्षति, उत्-, (कृष्, c. 1.), to e. an oil : तैलं निष्कर्षति ; (2) निर्-हरति, -ते, उत्-, (ह, c. 1.), will e. the thorn of infamy : अयशःशल्यमुद्धरे, Ki. To e. a root (in arith.) : मूलं निर्धारयति.
- EXTRACT (subs.) : I. That which is e. ed: expr. by verb. II. Essence : (1) रसः ; (2) निर्यासः ; (3) निर्यहः. III. A citation, quotation : expr. by उद्धृतः (ता, तं). IV. Descent : q.v.
- EXTRACTION : I. The act : (1) निष्कर्षः or उत्कर्षः, -णम् ; (2) निर्हारः or निर्हरणम् ; (3) उद्धरणम्. II. Lineage, descent : q.v. : Ph. : e. of roots (in arith.) : मूलनिर्धारणम्.
- EXTRAFORANEUS : perh. simply बहिः in comp.
- EXTRAJUDICIAL : व्यवहारबहिर्भूतः (ता, तं) (?); व्यवहारबाह्य (f. ह्या) (?).
- EXTRAMUNDANE : अलौकिकः (की कं) ; अपार्थिवः (वी, वं).
- EXTRAMURAL : भित्तिबहिर्भूतः (ता, तं) (?).
- EXTRANEUS : बाह्य (f. ह्या) : v. External, foreign.
- EXTRAORDINARILY : (1) असाधारण्येन ; (2) अपूर्वम्.
- EXTRAORDINARINESS : (1) असाधारण्यम् ; (2) असा-मान्यता.